A–1247

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

GEJY–01

(भारतीय वास्तुशास्त्र का परिचय व स्वरूप)

Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×26=52

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वास्तुशास्त्र की परिभाषा लिखते हुए उस का विस्तृत परिचय लिखिए।
2. वास्तुशास्त्र के उद्गम और विकास पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।
3. पंचमहाभूतों का स्वरूप तथा महत्व का वर्णन कीजिए।
4. वास्तुशास्त्र के पूर्ववर्ती आचार्यों के विस्तृत वर्णन कीजिए।
5. भूमि परीक्षण की विधियों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×12=48

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वास्तुशास्त्र के प्रवर्तकों का वर्णन कीजिए।
2. प्लव ढलान के आधार पर भूमि के प्रकार का वर्णन कीजिए।
3. कूर्मपृष्ठादि भूखण्डों पर गृहनिर्माण का क्या फल है ? वर्णन कीजिए।
4. वीथि किसे कहते हैं ?
5. गृहारम्भ का महत्व प्रतपादित करते हुए उसका मुहूर्त्त लिखिए।
6. वेदाङ्गों के अनुसार वास्तु के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
7. वास्तुशास्त्र की विश्वकर्मा प्ररम्परा पर निबन्ध लिखिए।
8. अग्नितत्व एवं जलतत्व के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

****